जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

24 जुलाई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

कोविड-19 महामारी के दौरान घरेलू हिंसा और उसके समाधान पर जामिया में वेबिनार आयोजित होगा

जामिया मिल्लिया इस्लामिया का सोशल वर्क विभाग 'कोविड-19 महामारी के दौरान बढ़ी घरेलू हिंसा और उसके समाधान' विषय पर एक वेबिनार आयोजित कर रहा है। 25 जुलाई 2020 को अपराह्न 300 बजे से शाम 500 बजे तक गूगल मीट पर इसका आयोजन होगा।

इस वेबिनार का उद्देश्य सोशल वर्क के परिप्रेक्ष्य में लिंग आधारित हिंसा (घरेलू हिंसा के विशेष संदर्भ में) की वजहों को समझना और इसे रोकने के समाधान आधारित हस्तक्षेप के सुझावों को सोशल वर्क शिक्षकों, चिकित्सकों और छात्रों तक पंहुचाना है।

कोविड-19 महामारी के चलते लॉकडाउन के दौरान, कई महिलाओं को घरेलू हंसा के जोखिम उठाना पड़ा है क्योंकि वे इन हालात में, प्रताड़ित करने वालों के साथ घर पर रहने के लिए मजबूर हुई हैं। लॉकडाउन के कारण आर्थिक अनिश्चितता भी बढ़ी है और शोध बतातें हैं कि आर्थिक कठिनाइयों के समय, अपमानजनक और हिंसक व्यवहार अक्सर बढ़ जाता है।

कोरोना वायरस की महामारी के चलते घर में रहने को मजबूर होने, सोशल डिस्टेंसिंग और आर्थिक अनिश्चितताओं की वजह से, घरेलू हिंसा के मामले भारत में ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर बढ़े हैं।

भारत के राष्ट्रीय महिला आयोग (एनएसडब्ल्यू) ने पाया कि भारत में लाकडाउन के दौरान लिंग आधारित हिंसा में दो गुना का इज़ाफ़ा हुआ है।

ये हालात बनने के लिए घरों में रहने को मजबूर होना, आर्थिक तंगी और शराब के आदी लोगों को शराब नहीं मिलना शामिल हैं। इस महामारी के हालात ने, समाज में पहले से ही मौजूद पितृसत्तात्मक समाज का आईना दिखाया और पहले से मौजूद भेदभाव तथा असमानताओं को और अधिक बढ़ाया। महिलाओं की शिकायतों के प्रति पुलिस की उदासीनता में भी तीन गुना बढ़ोतरी हुई है, क्योंकि पुलिस लाकडाउन आदेशों की तामील में व्यस्त है।

वेबिनार में दो रिसोर्स पर्सन लॉक डाउन के दौरान घरेलू हिंसा की समस्या पर विश्लेषण प्रस्तुत करेंगे। वे सीएसओ और सरकार द्वारा महिलाओं को मुहैया की जाने वाली सहायता सेवाओं के बारे में भी जानकारी देंगे। रिसोर्स पर्सन लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा की समस्या से निपटने के लिए सोशल वर्क पेशेवरों को भी उपाय सुझाएंगे। आखिर में, प्रश्नोत्तर सत्र होगा।

इस वेबिनार में सोशल वर्क एजुकेटर्स, सोशल वर्कर और विभिन्न विषयों के शोधकर्ता और छात्र भी हिस्सा लेंगे।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक